



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, १७ दिसम्बर, १९९३/२६ अग्रहायण, १९१५

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी जिला, मण्डी

कार्यालय आदेश

मण्डी, ३ दिसम्बर, १९९३

संख्या पी० सी० एन०-एच एन डी-ए (१)६१/९२.—उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, १९६८ की धारा १०(२) तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, १९७१ के नियम १९(बी) (१) (पठित अधिसूचना संख्या पी० सी० एच०-एच वी (२)१९/७५, दिनांक १५-१-८२) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, मैं, ए० आर० रिजवी, प्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी जिला, मण्डी निम्नलिखित पंचायत पदाधिकारियों के त्याग पत्र स्वीकार करता हूँ तथा साथ ही सम्बन्धित पंचायत में इन के पदों को भी रिक्त घोषित करता हूँ:—

क्र० सं०	नाम विकास खण्ड	नाम पंचायत	नाम पदाधिकारी व पद	वार्षिक संख्या
१.	चौतड़ा	१ गोलवा	श्री विष्णु राम, पंच	द्रमण
	"	२ "	श्रीमती करुणा देवी, पंच	नरोहली
	"	३ पाहुडवेहडलू	श्री प्यार चन्द, पंच	वा० नं० ४
	"	४ यथोपरि-	श्री गोपाल सिंह, पंच	" " ६

विषय. —हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली 1971, के नियम 77 के अन्तर्गत कारण बनाओ नोटिस।

और यह कि उप-मण्डलाधिकारी (ना), सरकाषाट से जांच रिपोर्ट इस कार्यवाही में दिनांक 30-6-1993 को प्राप्त हुई जिसके अवरोधन से निम्न तथ्य सामने आए।

और यह कि उपरोक्त जांव के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि श्री शंकर दास, प्रधान ने अपने हितों को ध्यान में रखते हुए सिंचाई टैंक का निर्माण कार्य अपने भाई की भूमि पर निर्मित करके अपने अधिकारों का दुरुपयोग ही नहीं किया बल्कि राजकीय अनुदान रु० आठ हजार ५० (8,000) के धन का भी दुरुपयोग किया बल्कि है। और ग्रामवासी बालहड़ा के हरितन लोगों को भी उनके हित से वंचित किया है;

और यह कि उक्त श्री शंकर दाम प्रधान प्रान्तार के दोरी हैं और ऐसे व्यक्ति को प्रधान जैसे महत्वपूर्ण पद पर पदासीन रहना जनहित में नहीं है।

अन: में, अली रजा रिजवी, अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत निहित है, श्री शंकर दास, प्रधान, ग्राम पंचायत धनालग, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी को आदेश देता हूँ कि वह कारण बताएँ कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के अन्तर्गत प्रधान पद से निवृत्त किया जाए। उनका उत्तर इस कारण द्वारा नोटिस में जारी होने के दिनांक से एक मास के भीतर-भीतर इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा आगामी कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाएगी।

अली रजा रिजवी,  
प्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी ।

मण्डी, 10 दिसम्बर, 1993

संख्या पी० सं० एन०-एम एन डी-ए(१) 61/92-7028-7035.—प्रति: श्री रत्ना राम, प्रधान, ग्राम  
पंचायत शाहरा, विहाम थण्डा, करमोवा, जिला मुन्डी ने हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत और पंचायत समिति निर्वाचन

नियम 84 (1) के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (ना०), विहित अधिकारी करसोग के आदेश दिनांक 29-8-93 के विरुद्ध अपील की थी।

और यह कि इस कार्यालय के आदेश संख्या पी० सी० एन०-एम एन डी-ए (1) 62/92-6280-85, दिनांक 8-9-93 के अन्तर्गत उक्त याचिका पर अन्तिम निर्णय होने तक ग्राम पंचायत शाकरा में प्रधान पद को रिक्त घोषित किया गया था;

और यह कि उक्त अपील का निर्णय दिनांक 16-11-93 की श्री रंता राम (अपीलकर्ता), प्रधान, ग्राम पंचायत शाकरा, विकास खण्ड करसोग के पक्ष में हुआ है।

अतः मैं, तरुण श्रीधर, भारतीय प्रशासनिक सेवा, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी इस कार्यालय के आदेश संख्या पी० सी० एन०-एम एन डी-ए० (1) 61/92-6280-85, दिनांक 8-9-93 के अधिलक्ष्य में श्री रंता राम को प्रधान, ग्राम पंचायत शाकरा के पद पर बहाल करता हूँ और आदेश देता हूँ कि वह तत्काल नियमानुसार प्रधान पद का कार्यभार सम्भाल लें।

तरुण श्रीधर,  
उपायुक्त।

नियन्त्रक, मद्रास तथा केरल गाम्भी, हिमाचल प्रदेश, शिपका-5 द्वारा मूद्रित तथा प्रकाशित ।